संस्था ज्वाला का नारी तू नारायणी कार्यक्रम 17 को

6 कैटेगरी में विभिन्न महिलाओं को किया जाएगा सम्मानित

इंदौर। ज्वाला संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर हर साल नारी तू नारायणी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। प्री-इवेंट मीटिंग में ज्वाला की संस्थापक डॉ. दिव्या गुप्ता ने बताया कि ज्वाला, जरूरतमंद महिलाओं के सशक्तिकरण, उत्थान और रोजगार के लिए काम करने वाली एक गैर सरकारी संस्था है, जो निर्भया दिवस के आसपास पिछले 10 वर्षों से अलग-अलग माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है।

इस वर्ष संस्था ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं और इस अवसर पर विशेष आयोजन किया जा रहा है। 17 दिसंबर को शाम 5 से 7 बजे तक डेली कॉलेज के धीरूभाई अंबानी ऑडिटोरियम में होने वाले इस कार्यक्रम में 6 कैटेगरी (स्पोर्ट्स, लॉ, साइंस, एंटरप्रेन्योर, लिटरेचर, मीडिया) में इन महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिनसे दूसरी महिलाओं को प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो होंगे।

समारोह में इन महिलाओं का किया जाएगा सम्मान

1. टेसी थॉमस - भारत में मिसाइल परियोजना का नेतृत्व करने वाली पहली महिला वैज्ञानिक है।

2. रुबिका लियाकत - टेलीविजन एंकर और जर्नलिस्ट

3. मुमताज खान - 2022 महिला जूनियर हॉकी विश्व कप और एफआईएचकी 5ए5 टूर्नामेंट में भारत की टॉप स्कोरर थीं।

4. कनिका टेकरीवाल - फोर्ब्स अंडर 30, सीएनएन 20 अंडर 40 और बीबीसी 100 मोस्ट इंस्पायरिंग वूमेन में शामिल

5. एडवोकेट सिद्ध विद्या - एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ महाराष्ट्र की सदस्य जो एक वैधानिक निकाय है, इसके अलावा महाराष्ट्र स्लॉटर हाउस मॉनिटरिंग कमेटी की सदस्य जो कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर गठित की गई है।

6. शुभस्था - न्यूज रीडर, एंकर, पॉलिटिकल स्ट्रेटजिस्ट।

Scanned with OKEN Scanner

हमारे निर्णय हमें लेने दें, यही सच्चा सशक्तिकरण

मिसी रिपोर्टर, इंदौर

हर कठिनाई के सिर पर पैर रखकर ये बढ़ती गईं और विश्व में मिसाल बनीं

मिसाइल वुमन टेसी थॉमस, टॉप हॉकी प्लेयर मुमताज खान, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ महाराष्ट्र की सदस्य एडवोकेट सिद्ध विद्या और न्यूज रीडर शुभस्था... इनकी सफलता आज दुनिया देख रही है, पर क्या यह सफलता यूं ही तश्तरी में सजाकर इन्हें दे दी गई थी...। बेशक नहीं। वह सारी विषमताएं जो स्त्रियों की राह में बाधक बनती हैं, इनके रास्ते में भी आईं, लेकिन हर कठिनाई के सिर पर पैर रखकर ये बढ़ती गईं और विश्व में मिसाल बनीं। इसीलिए महिलाओं के लिए कार्यरत संस्था ज्वाला ने इन्हें सम्मानित किया।

डॉ. दिव्या गुप्ता के नेतृत्व में महिलाओं के लिए काम कर रही संस्था ज्वाला के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह नारी तू नारायणी कार्यक्रम शनिवार को डेली कॉलेज में हुआ। उन्होंने कहा कि हम गैर सरकारी संस्था हैं और ग्राउंड लेवल पर जाकर स्त्रियों के उत्थान की दिशा में काम कर रहे हैं। अब तक पांच लाख लड़कियों को सेल्फ डिफेंस सिखा चुके हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री जनक पलटा, सांसद शंकर लालवानी, माला ठाकुर और डॉ. डॉक्टर सोनाली नरगुंदे भी

सवाल उठाए तो बीएचयू से निकाल दिया गया था मुझे

मेरी स्कूलिंग सरकारी स्कूल में हुई और पिताजी की ऐसी जॉब थी कि थोड़े दिनों में हमें जगह बदलना पड़ती थी। एग्जाम के दौरान बीएचयू ने मुझे यह कहकर निकाल दिया कि आप बड़ी नेतागीरी करती है। तब मैंने यूके से लॉ किया। महिलाओं को उनके जीवन के निर्णय लेने की आजादी देना ही असली सशक्तिकरण है।

- सिद्ध विद्या

खूब मेहनत करो, नींद बड़े मजे की आती है

इंडिया के लिए खेलना गर्व की बात है और उसी वजह से मुझे यह सम्मान मिला है। खिलाड़ी कोई भी हो अगर उसने सोच लिया कि उसे खेलना है तो उसे खेल के अलावा कुछ और दिखता ही नहीं। दिन भर की मेहनत के बाद नींद बड़े मजे की आती है।

- मुमताज खान

बेटे की बोर्ड एग्जाम चल रही थी अग्नि 4 के समय

मिसाइल परियोजना की पहली महिला लीडर टेसी थॉमस के नाम 14 डॉक्टरेट हैं। कहती हैं कि एक महिला के लिए दोहरी जिम्मेदारी निभाना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। अग्नि-4 के समय मेरे बेटे की बोर्ड एग्जाम थी। उसे भी वक्त देना होता था। दिन सुबह 4.30 बजे शुरू होता था दोहरी जिम्मेदारियां निभाना कठिन था पर करना ही था। - टेसी थॉमस

Scanned with OKEN Scanner